UNIVERSITY NEWS 25 SEPTEMBER 2026

DAINIK JAGRAN

विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के साथ कोताही नहीं : कुलपति

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने गुरुवार को छात्रावासों की व्यवस्थाओं को परखा। दोपहर में लावण्या छात्रावास के निरीक्षण के बाद देर शाम प्रशासनिक दल के साथ हबीबुल्लाह और महमूदाबाद छात्रावास पहुंचकर वहां के व्यवस्थाओं की स्थिति जानी।

हास्टल मे खाद्य सामग्री को चेक करते कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी • सौ : लवि

हबीबुल्लाह छात्रावास के निरीक्षण के दौरान छात्रों ने पेयजल से संबंधित समस्याएं रखीं। उन्होंने अभियंताओं को पानी का टीडीएस जांचने के निर्देश दिए। कहा कि विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और शुद्ध पेयजल के मामले में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यहां से महमूदाबाद छात्रावास पहुंचकर कुलपति ने मेस में बनाए जा रहे खाने, पीने के पानी आदि को चेक किया। इसके अलावा उन्होंने छात्रावासों के कमरे, मेस, रसोई, डाइनिंग हाल, कामन रूम और परिसर में उपलब्ध अन्य मूलभूत सुविधाओं का हाल जाना। इस मौके पर विश्वविद्यालय निर्माण विभाग के अधीक्षक प्रो. विनीत वर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अमिता कनौजिया, कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. आशीष अवस्थी और एडिशनल प्राक्टर प्रो. ओपी शुक्ला भी मौजूद रहे। (वि)

AMAR UJALA

पूर्व मुख्य सचिव ने सुनाया किस्सा प्रशासन का

सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. अनूप चंद्र पांडेय ने साझा किए प्रशासनिक अनुभव

माई सिटी रिपोर्टर

सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. अनूप चंद्र पांडेय का व्याख्यान सुनते विद्यार्थी।

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग की अटल सुशासन पीठ की ओर से बृहस्पतिवार को 'किस्सा प्रशासन का : अध्याय-1—विकसित भारत@2047' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 'पीपुल, पॉलिसीज, पॉसिबिलिटीज' यानी जन, नीतियां और संभावनाओं के माध्यम से विकसित भारत के लक्ष्य पर चर्चा हुई।

मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त आईएएस एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव डॉ. अनूप चंद्र पांडेय ने वर्ष 1993 की अल्मोड़ा आपदा को केस स्टडी के रूप में प्रस्तुत करते हुए आपदा प्रबंधन, प्रशासनिक तंत्र की तत्परता और संकट से उबरने की क्षमता पर चर्चा की।

विभागाध्यक्ष प्रो. वैशाली सक्सेना ने प्रशासनिक व्यवस्था में रेजिलिएंस यानी संकट से उबरने की क्षमता के महत्व को रेखांकित किया। विशिष्ट अतिथि कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अरविंद मोहन ने कहा कि प्रशासन में पारदर्शिता जरूरी है। अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषाओं के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. मैत्री प्रियदर्शी, डॉ. सुशील सिंह चौहान, प्रो. नंदलाल भारती, डॉ. नंदिता कौशल, डॉ. सुशील चौहान, डॉ. अमन सिंह सहित शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद रहे। संचालन कौशांबी सिंह तोमर ने किया।

AMRIT VICHAR

सक्रियता | लावण्या के बाद हबीबुल्लाह व महमूदाबाद हॉस्टल पहुंचे कुलपति

हबीबुल्लाह छात्रावास में पेयजल की गुणवत्ता बेकार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

गुरुवार देर शाम महमूदाबाद छात्रावास के निरीक्षण के लिए पहुंचे कुलपति छात्रों के साथ। • अमृत विचार

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में एक के बाद दूसरे छात्रावासों के छात्रों के ताबड़तोड़ आंदोलन के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन की नींद खुल गई है। कुलपति आज दूसरे दिन भी छात्रावासों, मेस की जांच को लेकर सक्रिय रहे। कुलपति प्रो. जेपी सैनी दोपहर में लावण्या छात्रावास पहुंचे तो देर शाम प्रशासनिक दल के साथ हबीबुल्लाह छात्रावास और महमूदाबाद छात्रावास के निरीक्षण के लिए पहुंचे। इस दौरान छात्रावासियों ने अपनी समस्याएं कुलपति को बताई जिसके त्वरित समाधान का आश्वासन मिला। हबीबुल्लाह छात्रावास के निरीक्षण के दौरान छात्रों ने पेयजल को लेकर शिकायत की जिसे कुलपति ने खुद पीकर देखा और तत्काल समाधान का निर्देश दिया।

हबीबुल्लाह छात्रावास के निरीक्षण के दौरान कुलपति ने अभियंताओं को निर्देशित किया कि पेयजल जांच की रिपोर्ट के आधार पर अविलंब त्वरित सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

मेस में लगे आरओ के पानी को पीते कुलपति।

कुलपति ने दोनों छात्रावासों में कमरों, मेस, रसोई, डाइनिंग हॉल, कॉमन रूम और परिसर में उपलब्ध अन्य मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अंतःवासी छात्रों संवाद स्थापित किया और उनकी दैनिक आवश्यकताओं व समस्याओं की जानकारी ली।

लावण्या छात्रावास में जांची मसालों, दाल, चावल की शुद्धता

कुलपति ने लावण्या छात्रावास में मेस व रसोई में रखी खाद्य सामग्री की शुद्धता की जांच कराई। दाल, चावल व मसालों के पैकेट की गुणवत्ता और भंडारण का बारीकी से परीक्षण किया। परिसर में स्थापित आउटडोर फिटनेस व जिम उपकरणों की कार्यप्रणाली को भी परखा था।

निरीक्षण के दौरान निर्माण विभाग के अधीक्षक प्रो. विनीत वर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) प्रो. अमिता कनौजिया व कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. आशीष अवस्थी उपस्थित रहे।

AMRIT VICHAR

विधि संकाय में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

लखनऊ, अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में विधि संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण विषय पर प्रस्तुत किए गए नुक्कड़ नाटक, लघु नाटिका ने महिला अधिकारों, समानता एवं आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत भाषण एवं काव्य-पाठ ने भी सामाजिक सरोकारों एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े विभिन्न विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में डॉ. आनंद वल्लभ जोशी, प्रो. अशोक कुमार सोनकर, डॉ. शशि प्रभा जोशी, डॉ. सुधीर कुमार वर्मा, डॉ. अंजली सिंह उपस्थित रहे।

AMAR UJALA

टीमों की ट्रायल तिथियां घोषित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की पुरुष और महिला टीमों के चयन के लिए टेबल टेनिस और एथलेटिक्स के ट्रायल की तारीख घोषित कर दी गई है। चयनित दोनों टीमें ट्रायल नॉर्थ जोन/ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी गेम्स में विवि का प्रतिनिधित्व करेंगी। टेबल टेनिस के पुरुष और महिला वर्ग के चयन परीक्षण आठ अक्तूबर को सुबह नौ बजे विवि के शिक्षा विभाग में होंगे। प्रतिभागियों को सात अक्तूबर की शाम पांच बजे तक विवि के क्रीड़ा परिषद कार्यालय (पवेलियन ग्राउंड) में पंजीकरण कराना होगा। एथलेटिक्स के पुरुष और महिला वर्ग के चयन परीक्षण 15 और 16 अक्तूबर को सुबह नौ बजे प्रांजपे पैवेलियन ग्राउंड में होंगे। इसके लिए प्रतिभागियों को 14 अक्तूबर की शाम पांच बजे तक पंजीकरण कराना अनिवार्य है। (संवाद)

प्रबंधन उत्सव में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग में बृहस्पतिवार को तीन दिवसीय प्रबंधन उत्सव का आगाज हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को किताबी पढ़ाई के साथ वास्तविक कारोबार की समझ देना है। विभाग की अध्यक्ष रितु नारंग के मार्गदर्शन में यह उत्सव 26 सितंबर तक चलेगा। पहले दिन सुबह व्यावसायिक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। इसका नारा था - सोचें, रणनीति बनाएं, जवाब दें और जीतें। दोपहर में सिंक ऑर स्विम का पहला चरण हुआ। यह शार्क टैंक जैसा एक कार्यक्रम था, इसमें छात्रों को अपने नए व्यावसायिक विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिला। उत्सव के पहले दिन छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने अपनी सूझबूझ का प्रदर्शन किया और मिलकर समस्याओं को सुलझाना सीखा। (माई सिटी रिपोर्टर)

DAINIK JAGARAN

अच्छे प्रशासक का काम जनहित में निर्णय लेना : डा. अनूप चंद्र

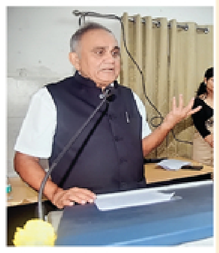

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग में 'किस्सा प्रशासन का : विकसित भारत@2047' विषय पर विशेष व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का केंद्रीय विषय जन, नीतियां व संभावनाएं रहा।

मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त आइएएस डा. अनूप चंद्र पांडेय ने अपने प्रशासनिक अनुभव के आधार पर सुशासन, सार्वजनिक नीति, प्रशासनिक सुधार और राष्ट्र निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने 1993 में अल्मोड़ा आपदा को केस स्टडी के तौर पर प्रस्तुत किया। कहा कि अच्छे प्रशासक का काम जनहित में निर्णय लेना है, परिस्थितियां चाहे जैसी हों। कहा कि प्रशासन के लिए आपदा प्रबंधन चुनौतीपूर्ण होता है। इसमें सभी विभागों का समन्वय और लोगों से संवाद बहुत जरूरी होता है, क्योंकि संवाद न होने की दशा में लोग अधीर होने लगते हैं। भ्रांतियां फैलने की भी आशंका बनी रहती है।

लवि मे आयोजित व्याख्यान को संबोधित करते पूर्व मुख्य सचिव डा. अनूप चंद्र पांडेय • जागरण

विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. अरविंद मोहन ने बच्चों को किस्से के माध्यम से सिखाने पर बल दिया। प्रो. वैशाली सक्सेना ने कहा कि सरकार के सुशासन की झलक आपदा प्रबंधन के रूप में दिखनी चाहिए, तभी विकसित भारत की संकल्पना साकार होगी। संचालन कौशाम्बी सिंह तोमर ने किया। इस अवसर पर प्रो. मैत्री प्रियदर्शी व डा. सुशील सिंह चौहान मौजूद रहे।

NBT

हॉस्टलों में पहुंचे LU वीसी, पानी को लेकर भड़के

■ NBT न्यूज, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने बुधवार को छात्रावासों का ताबड़तोड़ औचक निरीक्षण किया। दोपहर में लावण्या गर्ल्स हॉस्टल का जायजा लेने के बाद वे देर शाम हबीबुल्लाह और महमूदाबाद हॉस्टल पहुंचे।

हबीबुल्लाह हॉस्टल में छात्रों ने पेयजल की गुणवत्ता पर गंभीर शिकायत दर्ज कराई। इस पर कुलपति ने मौके से ही निर्माण विभाग को तत्काल पानी का TDS (टोटल डिजॉल्व्ड सॉलिड्स) जांचने और व्यवस्था दुरुस्त करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि छात्रों के स्वास्थ्य और शुद्ध पेयजल के मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इससे पहले लावण्या हॉस्टल में उन्होंने मेस के दाल-चावल, मसालों की गुणवत्ता और जिम में लगे उपकरणों को बारीकी से परखा। निरीक्षण दल में निर्माण अधीक्षक प्रो. विनीत वर्मा, डीएसडब्ल्यू प्रो. अमिता कनौजिया, चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी और चीफ प्रोवोस्ट प्रो. आशीष अवस्थी मौजूद रहे।

TIMES OF INDIA

VC orders action on LU's Habibullah hostel water crisis

Times News Network

Lucknow: The issue of drinking water supply contaminated with high total dissolved solids levels in Habibullah hostel of Lucknow University is set to be resolved after vice-chancellor Prof JP Saini conducted a surprise inspection at the hostel on Thursday and directed the works department to address the issue without delay.

The inspection was conducted on the complaints of the students. Later, a works department staff member also tested the TDS level and found it to be above 350 particles per million in comparison to normal range of 50-150 ppm.

Students at Habibullah hostel had been facing a drinking water crisis for the past two days, forcing many to buy bottled water from outside. Students alleged that three out of four RO water purifiers in the hostel were not functioning properly, while the only functioning purifier was supplying water with high TDS levels.

"We have been facing this problem for the last two days. We were left with no option but to buy drinking water from outside," said student Kushal Singh. Another student, Vishesh Pandey, said students were spending around Rs 200-250 daily on drinking water, making it difficult to manage their expenses.

VOICE OF LUCKNOW

लावण्या के बाद देर शाम हबीबुल्लाह व महमूदाबाद हॉस्टल पहुंचे कुलपति

लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने गुरुवार को छात्रावासों की व्यवस्थाओं को परखने के लिए सघन औचक निरीक्षण अभियान चलाया। दोपहर में लावण्या छात्रावास के औचक निरीक्षण के बाद कुलपति देर शाम प्रशासनिक दल के साथ सीधे हबीबुल्लाह छात्रावास और महमूदाबाद छात्रावास के औचक निरीक्षण पर पहुंचे।

इस सघन निरीक्षण के दौरान कुलपति के साथ विश्वविद्यालय निर्माण विभाग के अधीक्षक प्रो. विनीत वर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) प्रो. अमिता कनौजिया तथा कुलानुशासक (चीफ प्रॉक्टर) प्रो. राकेश द्विवेदी एवं चीफ प्रोवोस्ट प्रो आशीष अवस्थी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

हबीबुल्लाह छात्रावास के निरीक्षण के दौरान अंतःवासी छात्रों ने कुलपति के समक्ष पेयजल से संबंधित समस्याएं रखीं। मामले को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने मौके पर ही निकोर्माण विभाग के अभियंताओं को पानी का टीडीएस तत्काल जांचने के निर्देश दिए। उन्होंने अभियंताओं को

निर्देशित किया कि पेयजल जांच की रिपोर्ट के आधार पर अविलंब त्वरित सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और शुद्ध पेयजल के मामले में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अंतःवासियों से आत्मीय संवाद और व्यवस्थाओं का जायजाः कुलपति ने दोनों छात्रावासों में कमरों, मेस, रसोई, डाइनिंग हॉल, कॉमन रूम और परिसर में उपलब्ध अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने अंतःवासी छात्रों के बीच खड़े होकर उनसे सीधा व आत्मीय संवाद स्थापित किया और उनकी दैनिक आवश्यकताओं व समस्याओं की जानकारी ली।

VOICE OF LUCKNOW

मैनेजमेंट फेस्ट के पहले दिन लुम्बा में दिखा छात्रों का हुनर और बिजनेस सोच

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग (लुम्बा) की विभागाध्यक्ष प्रो. रितु नारंग के मार्गदर्शन में 24 से 26 सितंबर 2026 तक तीन दिवसीय फेस्ट की शुरूआत हुई। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों की किताबी पढ़ाई को असल बिजनेस की समझ से जोड़ना है। सुबह 'बिजनेस क्विज' कराया गया, जिसका नारा था, सोचें, रणनीति बनाएं, जवाब दें और जीतें। दोपहर को 'सिंक ऑर स्विम' का पहला राउंड हुआ। यह 'शार्क टैंक' जैसा एक इवेंट था, जिसमें छात्रों को नए बिजनेस आइडिया पेश करने का मौका मिला।

SWATANTRA BHARAT

लविवि : किस्सा प्रशासन का में विकसित भारत पर चर्चा

स्वतंत्र भारत संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग की अटल सुशासन पीठ के तत्वावधान में बृहस्पतिवार को 'किस्सा प्रशासन का : अध्याय-1 विकसित भारत-2047' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का केंद्रीय विषय 'जन, नीतियां और संभावनाएं' रहा। कार्यक्रम की शुभारंभ अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलन से हुई।

इस दौरान विभागाध्यक्ष प्रो वैशाली सक्सेना ने कार्यक्रम की भूमिका प्रस्तुत करते हुए आपदा प्रबंधन और प्रशासनिक लचीलेपन पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त आईएएस एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव डॉ अनूप चंद्र पांडेय ने सुशासन, सार्वजनिक नीति, प्रशासनिक सुधार और राष्ट्र निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने वर्ष 1993 की अल्मोड़ा आपदा को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करते हुए प्रभावी प्रशासन और संकट प्रबंधन की भूमिका समझाई। कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो अरविंद मोहन ने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को वास्तविक घटनाओं और किस्सों के माध्यम से सीखने पर जोर दिया। कार्यक्रम में प्रो. मैत्री प्रियदर्शी, प्रो नंदलाल भारती, डॉ. नंदिता कौशल, डॉ. सुशील सिंह चौहान, डॉ. अमन सिंह, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन कौशाम्बी सिंह तोमर ने किया। अंत में डॉ. सुशील सिंह चौहान ने आभार व्यक्त किया।

HINDUSTAN

कुलपति छात्रावास पहुंचे, पानी की गुणवत्ता जांचने के निर्देश

निरीक्षण

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने गुरुवार को छात्रावासों की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए गुरुवार को सघन औचक निरीक्षण किया। दोपहर में लावण्या छात्रावास के निरीक्षण के बाद देर शाम कुलपति हबीबुल्लाह और महमूदाबाद छात्रावास पहुंचे। हबीबुल्लाह छात्रावास में छात्रों ने पेयजल से जुड़ी समस्या उनके सामने रखी। इस पर कुलपति ने तत्काल पानी में कुल घुलित ठोस पदार्थ (टीडीएस) की जांच कराने और रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए।

कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और शुद्ध पेयजल के मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने दोनों छात्रावासों में कमरों, मेस, रसोई, डाइनिंग हॉल, कॉमन रूम और अन्य मूलभूत सुविधाओं का भौतिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों से सीधे संवाद कर समस्याओं की जानकारी ली। विश्वविद्यालय प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि छात्रावासों में स्वच्छता, पौष्टिक आहार, शुद्ध पेयजल और विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जा रही है।

किस्सा प्रशासन का में विकसित भारत पर मंथन

लखनऊ विश्वविद्यालय में 'किस्सा प्रशासन का' के पहले अध्याय में विकसित भारत@2047 के संकल्प पर मंथन हुआ। लोक प्रशासन विभाग में आयोजित विशेष व्याख्यान में सुशासन, जन-केंद्रित नीतियों, प्रशासनिक नवाचार और प्रभावी नीति क्रियान्वयन को विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण आधार बताया गया। सेवानिवृत्त आईएएस एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव डॉ. अनूप चंद्र पांडेय ने अपने प्रशासनिक अनुभवों और 1993 की अल्मोड़ा आपदा को केस स्टडी के रूप में प्रस्तुत करते हुए आपदा प्रबंधन, प्रशासनिक लचीलापन और नागरिक भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला।

HINDUSTAN

लुम्बा में मैनेजमेंट फेस्ट शुरू छात्रों ने दिखाए हुनर के रंग

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग में तीन दिवसीय मैनेजमेंट फेस्ट का गुरुवार को उत्साहपूर्ण आगाज हुआ। विभागाध्यक्ष प्रो. रितु नारंग के मार्गदर्शन में आयोजित यह फेस्ट 24 से 26 सितंबर 2026 तक चलेगा। इसका उद्देश्य छात्रों को पाठ्यक्रम की पढ़ाई के साथ व्यावहारिक बिजनेस ज्ञान और प्रबंधन कौशल से जोड़ना है।

गुरुवार को सुबह 10:30 से दोपहर 12:30 बजे तक 'बिजनेस क्विज' का आयोजन किया गया। सोचें, रणनीति

26 सितंबर तक फेस्ट का आयोजन होगा एलयू में

- **बिजनेस क्विज में छात्रों ने अपनी प्रतिभा दिखाई**

बनाएं, जवाब दें और जीतें थीम पर आधारित इस प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी बिजनेस समझ और त्वरित निर्णय क्षमता का प्रदर्शन किया। शार्क टैंक की तर्ज पर हुए इस आयोजन में छात्रों ने अपने नए बिजनेस आइडिया प्रस्तुत किए।

AMRIT VICHAR

कार्यक्रम मे उपस्थित श्रोता व संबोधित करते वक्ता।

विकसित भारत पर मंथन

अमृत विचार, लखनऊ : लविवि के लोक प्रशासन विभाग मे 'किस्सा प्रशासन का' मे विकसित भारत मे जनकेंद्रित नीतियों और प्रभावी प्रशासन की भूमिका पर मंथन हुआ। विशेषज्ञो ने सुशासन, नागरिक केंद्रित प्रशासन और प्रशासनिक नवाचार पर अकादमिक विमर्श किया। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मुख्य सचिव डॉ. अनूप चंद्र पांडेय ने प्रशासन और शासन व्यवस्था के बदलते स्वरूप पर विचार रखते हुए 1993 की अल्मोड़ा आपदा को केस स्टडी के रूप मे प्रस्तुत किया। प्रो. अरविंद मोहन ने अपने निजी अनुभव साझा किए और बच्चो को किस्सो के माध्यम से शिक्षित करने पर जोर दिया। अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषाओं की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. मैत्री प्रियदर्शी भी मौजूद रहीं।

SWATANTRA BHARAT

एसआरएमयू को मिला प्रो बोनो क्लब

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी (एसआरएमयू) के इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज को भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय की दिशा 2.0 योजना के तहत 'प्रो बोनो क्लब' प्रदान किया गया है। इसके साथ ही एसआरएमयू यह मान्यता पाने वाला लखनऊ का पहला निजी विश्वविद्यालय बन गया है। इससे पहले शहर में डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय और लखनऊ विश्वविद्यालय को यह मान्यता प्राप्त थी। विश्वविद्यालय के चांसलर इंजीनियर पंकज अग्रवाल और प्रो-चांसलर इंजीनियर पूजा अग्रवाल के नेतृत्व तथा वाइस-चांसलर प्रोफेसर डॉ. विजय कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में यह उपलब्धि हासिल हुई। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डॉ. नरेंद्र बहादुर ने बताया कि प्रो बोनो क्लब के माध्यम से विधि विद्यार्थियों को जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता देने का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा। इससे विद्यार्थियों में कानूनी जागरूकता और सामाजिक न्याय के प्रति जिम्मेदारी भी विकसित होगी।